Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 87, रविवार, 22 अप्रैल 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

पश्चिमी तटीय इलाकों और ओडिशा में तेज हवाओं के साथ समुद्री तरंगों को लेकर चेतावनी

आईएमडी के अनुसार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटों में तेज हवाओं की गति 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंचने की संभावना है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पश्चिमी तट के दक्षिणी हिस्सों में तेज हवाओं के साथ समुद्र में भी हलचल की चेतावनी दी है। एहतियातन तौर पर मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे समुद्र की तरफ नहीं जायें। आईएमडी के अनुसार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटों में तेज हवाओं की गति 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंचने की संभावना है। इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशन इनफॉर्मेशन सर्विसेज (आईएनसीओआईएस) ने भी चेतावनी देते हुए कहा है कि आज सुबह भारत के पश्चिमी तट और लक्षद्वीप में तेज गति वाले समुद्री तरंगों का अनुभव किया जाएगा।

वहीं मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर भारतीय राज्यों में वर्षा हो सकती है। अगले दो दिनों में जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और

उत्तराखंड में बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विभाग ने गुरुवार को बताया कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और उत्तर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आंधी चल सकती है।

भारत मौसम विभाग ने कहा है, %पूर्वी भारत को छोड़ देश के अधिकांश हिस्से में अधिकतम तापमान सामान्य के करीब या निम्न रहने की संभावना है। इसलिए अगले एक सप्ताह तक लू चलने की संभावना नहीं है।% पश्चिमी विक्षोभ एक निम्नदाब का क्षेत्र होता है। यह कैस्पियन सागर या भूमध्यसागर में चक्रवात के रूप में उत्पन्न होता है। बाद में यह मध्य पूर्व और ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होता हुआ भारत में प्रवेश करेगा।

वैसे देखा जाए तो अप्रैल के मौसम में मई-जून जैसी गर्मी पड़ रही है। तापमान 40 डिग्री के पास पहुंच गया है। अभी से लू के थपेड़े पड़ने शुरू हो गए हैं। जलवायु परिवर्तन का मौसम पर इस कदर असर पड़ रहा है कि अप्रैल में बढ़ते तापमान का बृहस्पतिवार को तीस साल का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम वैज्ञानिकों का अभी से बढ़ती गर्मी को अच्छे मानसून का संकेत बताते हुए कहना है कि आज शुक्रवार को मेरठ समेत वेस्ट यूपी में आंधी, बारिश के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिक इसकी वजह ग्लोबल वार्मिंग के चलते सर्दी कम पड़ना और समय से पहले गर्मी आना मान रहे हैं। सर्दी के सीजन में भी गर्मी का असर दिखाई दे रहा था। जनवरी माह से ही पारा चढ़ना शुरू हो गया था। मौसम में आ रहे इस बदलाव से वैज्ञानिक ही नहीं किसान भी चिंतित हैं। अप्रैल माह में ही ऐसी गर्मी होगी तो मई-जून में कैसे फसलों को बचाया जाएगा। समय से पहले गर्मी का आना मौसम को बदल रहा है। मोदीपुरम स्थित भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान के मौसम विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार पिछले 30 वर्षों में अप्रैल सबसे गर्म चल रहा है। इस अंतराल में ऐसा पहली बार हुआ है, जब दिन-रात का तापमान सामान्य से ऊपर चल रहा है। मई और जून में दिखने वाला लू का असर अप्रैल में ही साफ दिखाई दे रहा है।

सार-समाचार

कठुआ रेप केस में आया नया मोड़, बच्ची से रेप तो हुआ पर गैंगरेप संभव नहीं

जम्मू। कठुआ रेप केस हर दिन उलझता ही जा रहा है। हर दिन इस मामले में नये-नये मोड़ आ रहे हैं। हांलाकि इस मामले में जम्मू कश्मीर पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है पर उस पर भी सन्देह बना हुआ है वहीं मीडिया में उजागर हुई बच्ची की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने मामले को नया मोड़ दिया है। स्वास्थ्य विभाग के एक डाक्टर ने अपना नाम न छापने की बात पर कहा कि मीडिया में यह कहा जा रहा है कि बच्ची के साथ रेप नहीं हुआ है, यह बात सही नहीं है बल्कि बच्ची के साथ रेप तो हुआ पर गैंगरेप नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि बच्ची के साथ रेप होना तो संभव है पर जिस तरह से बार-बार गैंगरेप की बात कहकर मामले को उलझाने की कोशिश की जा रही है, ऐसे चोट के निशान बच्ची के शरीर पर नहीं मिले हैं।

सूत्रों की मानें तो चार्जशीट को लेकर विरोधाभास पहले दिन से ही हो रहा है। आरोपियों ने भी कोर्ट में अपनी पहली पेशी पर नार्को टेस्ट की मांग की थी और कहा कि था कि उससे सच सामने आ जाएगा। अब बात यहां भी आकर सन्देह पैदा कर रही है कि क्राइम ब्रांच ने जब चार्जशीट दाखिल की थी तो उसके साथ पोस्टमार्टम की रिपोर्ट की कॉपी संलग्न नहीं की थी। वहीं मीडिया में आई कुछ रिपोर्टों के बाद यह कहा गया कि बच्ची के साथ रेप नहीं हुआ है पर यह बात भी कही गई है कि बच्ची का कौमार्य भंग हुआ है और तर्क दिया गया है कि घुड़सवारी और खेलकूद से भी यह हो सकता है।

दिल्ली फोरेंसिक लेबारेट्री का खुलासा

दिल्ली की फोरेंसिक लेबारेट्री ने इस बात की पुष्टि की है कि बच्ची का वजिनल स्वैब आरोपी से मैच करता है। यह इस मामले में सबसे बड़ा सबूत है। दिल्ली की लेबारेट्री में सबूतों के 14 पैकेटों की जांच की गई है। यह सबूत दिल्ली 1 मार्च से लेकर 21 मार्च के बीच भेजे गए हैं। इनमें वजेनिल स्वैब (योनि की बाहरी परत), खून के सैंपल, बच्ची की आंत, साधी मिट्टी, खून से सनी मिट्टी, बच्ची की फ्राक और सलवार शामिल है। एफएसल ने सैंपल की जांच करने के बाद रेप की पुष्टि की थी। यह भी कहा गया कि आरोपियों के डीएनए भी मैच हुए हैं।

नोटबंदी के बाद बैंकों में बढ़े जाली नोट और संदिग्ध लेनदेन के मामले

नई दिल्ली, प्रेट्र। नोटबंदी के बाद देश के बैंकों में नकली भारतीय मुद्राओं की आमद ने पिछले सभी वर्षो का रिकॉर्ड तोड़ दिया। संदिग्ध लेनदेन के बारे में अपनी तरह की पहली रिपोर्ट में कहा गया है कि नवंबर, 2016 में नोटबंदी के बाद बैंकों में ऐसे लेनदेन की संख्या में 480 फीसद का उछाल दर्ज किया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि निजी, सार्वजनिक व सहकारी बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों में संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) में 400 फीसद से ज्यादा इजाफा दर्ज किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान कुल एसटीआर रिपोर्टिंग की तादाद 4.73 लाख को पार कर गई।

वित्त मंत्रालय के अधीन आने वाली फाइनेंशियल इंटेलीजेंस यूनिट (एफआइयू) के मुताबिक वित्त वर्ष 2015-16 के मुकाबले वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान बैंकिंग और अन्य वित्तीय संस्थाओं में जाली नोट जमा करने की घटनाओं में 3.22 लाख बढ़ोतरी दर्ज की गई। गौरतलब है कि एफआइयू का काम मनी लांड्रिंग और आतंकी संगठनों को वित्तीय मदद देने संबंधी संदिग्ध लेनदेन का विश्लेषण करना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान सीसीआर की 7.33 लाख से ज्यादा घटनाएं सामने आई, जबकि उससे ठीक पिछले वित्त वर्ष में 4.10 लाख से ज्यादा बार बैंकों में जाली नोट पकड़ी गई थी।

गौरतलब है कि सीसीआर की पहली बार गणना वित्त वर्ष 2008-09 में की गई थी। उसके बाद नोटबंदी वाले वित्त वर्ष में इस तरह की घटना चरम पर रही। सीसीआर तभी जारी किया जाता है, जब बैंक में नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआइसीएन) पकड़ में आती है। एफआइयू के एंटी मनी-लांड्रिंग नियमों के तहत जब भी बैंकों के लेनदेन में नकली या फर्जी भारतीय मुद्रा असली के तौर पर किया जाता है या कोई फर्जी या नकली नोट पकड़ में आता है, तो एफआइयू को इसकी सूचना दी जानी जरूरी होती है।

दूसरी तरफ, एसटीआर की गणना तब होती है जब बैंकों में हुए किसी लेनदेन पर संदेह उपजता है या उस लेनदेन की व्यवहार्यता समझ में नहीं आती।

ठुकराई दिव्यांग सकीना को लक्ष्मण ने दिया सहारा, बने जीवनसाथी

श्योपुर । यह कहानी एक दिव्यांग महिला और उसके पड़ोस में किराना दुकान चलाने वाले युवक की है। एक पांव खराब होने पर महिला को उसके पति ने शादी के कुछ साल बाद ही घर से निकाल दिया। ससुराल ने ठुकराया तो मायके आ गई, लेकिन मां-बाप की मौत के बाद भाइयों ने भी घर में रखने से इनकार कर दिया।

करीब पांच साल से अकेली रह रही दिव्यांग महिला की पहचान पड़ोस में किराना दुकान चलाने वाले युवक से हुई। महिला मुस्लिम है और युवक हिंदू। 18 अप्रैल को इस जोड़े ने मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह सम्मेलन में सात फेरे लिए।

बोहरा बाजार निवासी सकीना का विवाह 7 वर्ष पहले हुआ था। कुछ समय बाद ही उसका तलाक हो गया। इसके बाद वह भाई के घर रहने लगी, लेकिन भाई ने भी एक दिन घर से निकल जाने को कह दिया।

पांच साल से सकीना किराए का कमरा लेकर रह रही है। उसके पड़ोस में ही लक्ष्मण नाम का युवक किराना दुकान चलाता है। दोनों में डेढ़ साल पहले पहचान हुई और फिर प्यार हुआ। लक्ष्मण के परिवार ने भी दोनों का साथ दिया और खुशी-खुशी शादी में शामिल हुए।

दुकानदार-ग्राहक में ऐसे पक्का हुआ रिश्ता

लक्ष्मण ने बताया कि सकीना उसकी दुकान पर सामान लेने आती थी। जब लगा कि सकीना भी उसे पसंद करती है तो उसने बातचीत शुरू की। करीब चार महीने पहले लक्ष्मण ने सकीना के सामने शादी का प्रस्ताव रखा, जिसे सकीना ने स्वीकार किया।

प्रोत्साहन राशि नहीं नौकरी चाहिए

अंतरजातीय विवाह को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा 2 लाख रुपये एवं दिव्यांग महिला से विवाह करने वाले सामान्य पुरुष को प्रोत्साहन राशि के तौर पर 50 हजार रुपये दिए जाते हैं। हालांकि लक्ष्मण का कहना है कि उसे कोई प्रोत्साहन राशि नहीं चाहिए।

सकीना को चपरासी या आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नौकरी मिल जाए तो वह अपने पैरों पर खड़ी हो जाएगी। सकीना 10वीं पास है।

सुरक्षाबलों ने पुलवामा में मारे छापें, 9 युवक गिरफ्तार

श्रीनगर । दक्षिण कश्मीर में पुलवामा जिला के विभिन्न इलाकों में रात के दौरान छापों में पुलिस ने कम से कम 9 युवकों को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों ने संयुक्त तौर पर जिला के कोइल, प्रिचु, सिरनु और मलिकपुरा सहित विभन्न इलाकों में रात के दौरान छापे मार कर पत्थराबाजी में कथित तौर पर शामिल 9 युवकों को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों ने कहा कि कोइल इलाके से तीन युवकों और प्रिचु, सिरनु और मलिकपुरा प्रत्येक से दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवकों के परिवारवालों ने कहा कि वह निर्दोष हैं।

इस दौरान जामिया मस्जिद के इमाम मोहम्मद अकरम डार ने गिरफतार युवकों की तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने पुलिस को रात के दौरान छापों को बंद करने के लिए भी कहा। गिरफ्तारियों से पुलवामा शहर में वातावरण बिगड जाएगी। इसके गंभीर परिणाम निकलेंगे और साथ ही इन शिक्षित युवकों का कैरियर भी जोखिम में पड़ जाएगा।

शांति बिगाडने का आरोप पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि इन युवकों को शहर में शांति बिगाडने के लिए गिरफ्तार किया गया हैं। साथ ही छापें जारी रहेंगे और आरोपी पत्थरबाजों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

ना मौसम की खराबी, ना ही आंदोलन- प्रदर्शन फिर भी क्यों है ट्रेनों की लेटलतीफी

गर्मी शुरू हो गई है, लेकिन ट्रेनों की चाल नहीं सुधरी है। हालात इतने खराब हैं कि कई ट्रेनें निर्धारित समय से एक दिन बाद रवाना हो रही हैं।

नई दिल्ली (राज्य ब्यूरो)। अब न तो कोहरा का बहाना है और न ही आंधी तूफान और बरसात से कहीं ट्रैक क्षतिग्रस्त हुई है। आंदोलन की वजह से भी कहीं रेल परिचालन बाधित नहीं हुआ है। इसके बावजूद ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री परेशान हैं। लंबी दूरी की ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं। उनके गंतव्य पर पहुंचने का कोई समय भी निर्धारित नहीं है। सर्दी के मौसम में यात्री इसलिए परेशान थे क्योंकि कोहरे की वजह से ट्रेनों की चाल धीमी हो गई थी।

फरवरी के बाद यात्रियों को उम्मीद जगी थी कि उनकी परेशानी अब दूर हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गर्मी शुरू हो गई है, लेकिन ट्रेनों की चाल नहीं सुधरी है। हालात इतने खराब हैं कि कई ट्रेनें निर्धारित समय से एक दिन बाद रवाना हो रही हैं। कटिहार से पुरानी दिल्ली आने वाली हमसफर एक्सप्रेस 22 घंटे से भी ज्यादा देरी से पहुंची। इसलिए शुक्रवार को दोपहर 2.15 पर चलने वाली हमसफर एक्सप्रेस अब शनिवार को सुबह आठ बजे रवाना होगी। कई अन्य ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव करना पड़ा है।

अब दौराई तक जाएगी अजमेर शताब्दी

दिल्ली से अजमेर के बीच चलने वाली शताब्दी ट्रेन को दौराई तक चलाने की तैयारी है। रेलवे बोर्ड से इसकी मंजूरी मिल गई है और एक जून से नए गंतव्य तक चलने लगेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पिछले काफी समय से दौराई तक इसे चलाने की मांग हो रही थी।

अजमेर के नजदीक स्थित यह स्थान पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। इसे ध्यान में रखते हुए अजमेर शताब्दी को विस्तार दिया जा रहा है। एक जून से यह ट्रेन नई दिल्ली से सुबह 6.05 बजे रवाना होकर दोपहर 1.10 बजे दौराई पहुंचेगी। वापसी में दौराई से अपराह्न 3.15 बजे रवाना होकर नई दिल्ली रात 10.40 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

इस साल 747 सीजफायर उल्लंघन, LoC पर प्रभुत्व की रणनीति जारी रखेगी सेना

पिछले 15 सालों की तुलना में एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से सबसे अधिक सीजफायर उल्लंघन की घटनाएं 2018 में हुई हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमा नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर इस साल 747 बार सीजफायर उल्लंघन का सामना कर चुकी भारतीय सेना अपने प्रभुत्व की रणनीति जारी रखेगी। साथ ही कश्मीर में आतंकरोधी कार्रवाइयों के दौरान होने वाली क्षति को कम करने की भी कोशिश करेगी। आर्मी कमांडरों के कांफ्रेंस में इन मुद्दों के साथ कट्टर युवाओं को मुख्यधारा में वापस लाने की जरूरत पर जोर दिया गया। साथ ही आतंकवाद विरोधी अभियानों को बाधित करने वाली पत्थरबाजी की घटनाओं की भी समीक्षा की गयी।

शांति स्थापित करने की प्रक्रिया पर जोर

डायरेक्टर जनरल (स्टाफ ड्यूटी) लेफ्टिनेंट जनरल ऐके शर्मा ने शुक्रवार को बताया, 'कमांडरों को लगता है कि शांति स्थापित करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए... साथ ही कट्टरपंथ की राह पर निकले युवाओं को सामूहिक प्रयास से मुख्यधारा में लाया जाना चाहिए, इससे युवाओं को हिंसा और बंदूक संस्कृति से दूर करने में मदद मिलेगी।'

अब तक 747 सीजफायर

778 किमी लंबे एलओसी पर इस साल मात्र 110 दिनों में 747 सीजफायर उल्लंघन की घटनाएं हुई। यह आंकड़ा पिछले 15 साल की तुलना में सबसे ज्यादा है। यह कहना गलत नहीं है कि सीजफायर उल्लंघन की घटनाओं में इजाफा हुआ है। सितंबर 2016 की 'सर्जिकल स्ट्राइक' के बाद सीमा पार शत्रुता में वृद्धि के साथ एलओसी पर 860 सीजफायर उल्लंघन हुआ और 2017 में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 120 घटनाएं हुईं। कांफ्रेंस में सेना के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक पाकिस्तान भारत में आतंक का निर्यात रोकने के लिए ठोस कदम उठाता।

आंकड़ों के अनुसार, इस साल 40 से अधिक युवाओं ने जम्मू में आतंक का रास्ता चुना, जो पिछले साल 128 था। वहीं इस साल अब तक 51 आतंकियों को मारा जा चुका है, जबकि इन ऑपरेशंस में 27 जवान भी शहीद हुए हैं।

एलओसी का भी हुआ जिक्र

कॉन्फ्रेंस में चीन के साथ लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक फैले 'लाइन ऑफ ऐक्चुअल कंट्रोल' की 4057 किलोमीटर लंबी रेखा पर ऑपरेशनल स्थिति पर भी चर्चा हुई। ले. जनरल शर्मा ने कहा, 'सीनियर कमांडरों ने उत्तरी सीमाओं के साथ मौजूदा स्थिति की लंबाई पर विचार-विमर्श किया। साथ ही क्षमता निर्माण के प्रयासों, बुनियादी ढांचे के विकास और उपायों को आवश्यक प्रोत्साहन देने पर भी चर्चा की।

ISI महिला एजेंट ने आरोपित गौरव को फेसबुक पर किया ब्लॉक

आरोपित गौरव के कॉल डिटेल में दो संदिग्ध नंबर मिले हैं, दोनों नंबर पाकिस्तान के होने की आशंका है

रोहतक । पाकिस्तान को गोपनीय सूचनाएं भेजने के आरोप में गिरफ्तार सोनीपत (हरियाणा) के गन्नौर निवासी गौरव को अब आइएसआइ महिला एजेंट ने फेसबुक पर ब्लॉक कर दिया है।

ताकि ट्रेस न हो सके लोकेशन

महिला ने शुक्रवार को उसे अनफ्रेंड व ब्लॉक किया है, ताकि पुलिस और खुफिया एजेंसियां उसकी लोकेशन ट्रेस न कर सकें। वहीं युवक की कॉल डिटेल में दो संदिग्ध नंबर मिले हैं, जो पाकिस्तान के बताए जा रहे हैं।

इन नंबरों पर गौरव की आखिरी बार बातचीत नवंबर में हुई थी। इसके बाद से वाट्सएप और फेसबुक पर बात हो रही थी। पुलिस फिलहाल इन नंबरों को भी ट्रेस कर रही है। वहीं गौरव के टटे हुए मोबाइल फोन से डाटा रिकवर के लिए गुरुग्राम लैब में भेजा गया है। पुलिस का मानना है कि मोबाइल का डाटा रिकवर होने के बाद ही यह पता चल सकेगा कि गौरव और महिला एजेंट के बीच क्या-क्या बातचीत हुई।

छह दिन पहले गिरफ्तार हुआ गौरव

उल्लेखनीय है कि छह दिन पहले खुफिया एजेंसी और पुलिस ने रोहतक से गौरव को गिरफ्तार किया था। वह सेना में भर्ती की तैयारी कर रहा था। गौरव पर आरोप है कि वह आइएसआइ के लिए काम करता था और महिला एजेंट को सेना से जुड़ी जानकारी देता था। फिलहाल सिविल लाइन थाना पुलिस ने उसे दो दिनों के रिमांड पर ले रखा है।

12 और 21 नवंबर की शाम को हुई थी बात गौरव की फोन कॉल डिटेल में जो दो नंबर मिले हैं उसमें एक नंबर 97-1528306753 है। इस नंबर पर पिछले साल 12 नवंबर को शाम करीब पांच बजे बात हुई है। करीब डेढ़ मिनट तक बातचीत हुई है। इसी तरह दूसरा नंबर प्लस 3444 है। इस नंबर पर 21 नवंबर की शाम बातचीत की गई है। इसके बाद इन नंबरों पर कोई बातचीत नहीं की गई। पुलिस का मानना है कि इसके बाद फेसबुक और वाट्सएप के माध्यम से एक-दूसरे के संपर्क में रहे। भेजी जा रहीं थीं रोहतक, हिसार छावनियों से जुड़ी सूचनाएं

गौरव सेना से रिटायर्ड हवलदार का बेटा है और पिछले 4 साल से आइएसआइ को भारतीय सेना की संवेदनशील जानकारियां भेज रहा था। आरोपी गौरव ने पूछताछ के दौरान पुलिस से खुलासा किया कि वह अब तक 18 बार आर्मी में हुई रिक्रूटमेंट से जुड़ी जानकारियां भेज चुका है। पुलिस ने बताया कि गौरव ने अब तक आइएसआइ को जो जानकारियां भेजी हैं, वे रोहतक और हिसार की सेना छावनियों में हुई थीं।

सख्त कानून बनाने की तैयारी में सरकार, मोदी-माल्या जैसे भगोड़ों की संपत्ति होगी जब्त

नई दिल्ली। बैंक से कर्जा लेकर विदेश भागने वाले अपराधियों के खिलाफ केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 'भगोड़ा आर्थिक अपराध अध्यादेश 2018' को मंजूरी दे दी है। अध्यादेश को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद आर्थिक अपराध कर देश छोड़कर भागने वाले ऐसे लोगों की संपत्ति जब्त की जा सकेगी। भगोड़ा आर्थिक अपराध बिल को 12 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। लेकिन, कई मुद्दों पर गतिरोध के चलते बिल पास नहीं हो पाया था।

सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस अध्यादेश को मंजूरी दी गई। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ये प्रभावी हो जाएगा। इस अध्यादेश के प्रावधान ऐसे आर्थिक अपराधियों पर लागू होगा जिन्होंने विदेश से लौटने से इन्कार कर दिया है। जिनके खिलाफ निर्धारित अपराध को लेकर गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। साथ ही ऐसे लोन डिफॉल्टर जिनके ऊपर 100 करोड़ से ज्यादा का लोन बकाया है। प्रावधान के तहत अपराधियों की संपत्ति को जब्त कर बेच दिया जाएगा और उधारदाताओं को भुगतान किया जाएगा। ऐसे आर्थिक अपराधियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट (पीएमएलए) के तहत मुकदमा चलेगा।

संपादकीय

महंगा होता तेल

वैसे मुहावरा तो तेल की धार देखने का है, लेकिन हमारे यहां अक्सर तेल की मार ही देखी जाती है। शुक्रवार को भारतीय बाजारों में पेट्रोल की कीमत पिछले 55 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। इस समय देश भर के पेट्रोल पंप पर आपको जिस कीमत पर पेट्रोल मिल रहा है, वह इसकी ऐतिहासिक बुलंदी से थोड़ा सा ही नीचे है। या यूं कहें कि यह इतिहास की दूसरी सबसे ऊंची बुलंदी है। लेकिन डीजल की कीमतों ने तो शुक्रवार को इतिहास ही बना दिया। इस समय जिस कीमत पर बाजार में डीजल मिल रहा है, उस कीमत पर वह इससे पहले कभी नहीं मिला। कीमत बढ़ने का सीधा दोष हम सरकार को नहीं दे सकते हैं। बहुत साल पहले जब केंद्र में यूपीए की सरकार थी, यह तभी तय हो गया था कि पेट्रोल की कीमतें अब अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ जाएंगी। जब वहां कच्च तेल महंगा होगा, तो हमारे बाजार में पेट्रोल महंगा हो जाएगा और जब वहां यह सस्ता होगा, तो हमारे यहां सस्ता मिलने लगेगा। मौजूदा एनडीए सरकार भी उसी नीति को आगे बढ़ा रही है। इस सरकार ने बस इतना ही किया है कि उसने साप्ताहिक या मासिक निर्धारण की बजाय पेट्रोल की कीमत का अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से दैनिक निर्धारण शुरू कर दिया है। इसलिए अब हर रोज हमें पेट्रोल अलग दाम पर मिलता है। जहां तक अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात है, तो शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है। यह पिछले चार साल का सबसे ऊंचा स्तर है। इस समय ओपेक देशों ने जिस तरह कच्चे तेल की आपूर्ति घटा दी है, उससे आने वाले दिनों में यह कीमत और ऊंची जाने की आशंका है। यानी हमारे बाजार में भी कीमतें बढ़ना लगभग तय है।आम जनता की नजर से देखें, तो आपत्ति यही है कि जब दुनिया के बाजारों में कच्चे तेलों की कीमत बहुत कम थी, तो इसका लाभ भारतीय उपभोक्ताओं को बहुत ज्यादा नहीं मिला। शुरू में कुछ दाम भले ही घटे हों, लेकिन बाद में दुनिया के बाजार में इसकी कीमत भले ही जितनी भी नीचे आई हो, हमारे यहां इस पर कर भार बढ़ाकर पेट्रोल और डीजल के दाम को जस का तस रहने दिया। यानी फायदा तो नहीं मिला, लेकिन अब जब दाम बढ़ रहे हैं, तो इसका घाटा जरूर भारतीय उपभोक्ताओं को डोलना पड़ रहा है। एक उम्मीद यह बनी थी कि अगर पेट्रोल जीएसटी के दायरे में आ जाता, तो इस लगने वाले तरह-तरह के टैक्स खत्म हो जाएंगे और फायदा उपभोक्ताओं को मिलेगा। लेकिन केंद्र और राज्यों की सरकारें अभी इसके लिए तैयार नहीं दिख रहीं।दुनिया के बाजार में कीमतें अगर इसी तरह बढ़ती रहीं, तो हमारी परेशानियों का बढ़ना लगभग तय है। पेट्रोल और डीजल के दाम जब बढ़ते हैं, तो सिर्फ आवागमन महंगा नहीं होता, इससे किराया भाड़ा भी बढ़ता है और तकरीबन हर चीज के दाम ऊपर की ओर जाने लगते हैं। किसानों के लिए सिंचाई भी महंगी हो जाती है और बहुत सी चीजों की लागत भी बढ़ जाती है। उर्वरक समेत वे सारी चीजें महंगी होने लगती हैं, जिनके उत्पादन में पेट्रोलियम पदार्थो का इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर होता है। पेट्रोलियम पदार्थो की वजह से बढ़ने वाली मुद्रास्फीति ने देश को कई बार परेशान किया है। यह फिर न हो इसके लिए केंद्र और सरकारों को पेट्रोलियम पदार्थो पर लागू कर संरचना को बदलना होगा। जीएसटी के जमाने में पेट्रोल पुराने तरीके से नहीं चलना चाहिए।

अस्पतालों पर नजर

अस्पतालों में मरीजों के इलाज की कोई मॉनिटरिंग पण्राली यदि विकसित हो तो उसका निस्संदेह स्वागत किया जाएगा। अभी तक अस्पताल में मरीज भर्ती होते हैं और उनका जो भी इलाज डॉक्टर करते हैं, वह अस्पताल तक ही सीमित रहता है। उस पर कहीं एक केन्द्रीय पण्राली से नजर रखी जाए तथा वहां से भी अस्पतालों को आवश्यकता पड़ने पर मार्ग निर्देश मिले इसका सुझाव विशेषज्ञ लंबे समय से दे रहे हैं। केंद्रीय स्वास्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने इस संदर्भ में जल्द ही आउटपुट बेस्ड मॉनिटिरंग सिस्टम (पोर्टल) बनाने की जो घोषणा की है, उसे पहली नजर में उचित कहा जाएगा। इसके लिए मंत्रालय एनएबीएच के साथ मिलकर एक पोर्टल बनाने की दिशा में काम कर रहा है जिससे विभिन्न अस्पतालों में मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता पर रियल टाइम नजर रहेगी। इससे देश के सभी अस्पतालों को जोड़े जाने की योजना है। इस पोर्टल के जरिए सभी अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों, उनका इलाज, ऑपरेशन, उसे किस डॉक्टर ने अंजाम दिया, मरीज के आईसीयू व वेंटीलेटर पर रहने की अवधि के साथ इलाज के दौरान मरने वालों तक की रियल टाइम मॉनिटिरंग की जाएगी। ऐसा हो जाए इसमें दूरस्थ मरीजों के बारे में वहां के डॉक्टर विशेषज्ञों से सुझाव लेकर उनका बेहतर इलाज कर सकते हैं। इसके और भी कई लाभ हो सकते हैं। मसलन, अस्पताल की कमियों की ओर ध्यान जाएगा जिसे दूर किया जा सकता है। लेकिन सवाल तो यही है कि क्या वाकई इतना बड़ा तंत्र विकसित हो पाएगा जहां से वाकई इतनी पैनी नजर रखी जा सके? यह काम आसान नहीं है। देश के सभी अस्पतालों को जोड़कर लाखों की संख्या में मरीजों के इलाज एवं उनकी स्थिति पर नजर रखने की स्थिति यों ही निर्मित नहीं हो सकती। भारत में अभी इंटरनेट की स्थिति को देखते हुए शायद सारे अस्पतालों को जोड़ना संभव नहीं हो। हालांकि कहा जा सकता है कि जितना भी होगा वह मरीजों के हक में ही होगा। हम न भूलें कि सरकार पहले से ही मेरा अस्पताल नाम का एप, पोर्टल और एसएमएस पण्राली विकसित कर चुकी है। कहा जाता है कि अस्पताल से छुट्टी होने के साथ ही मरीजों से उनकी संतुष्टि आदि के संबंध में प्रश्न किए जाते हैं। पता नहीं कितने मरीजों से पूछा जाता है, कितने जवाब देते हैं। फिर उन जवाबों पर कोई कार्रवाई होती है या नहीं यह भी हमें नहीं पता। सच तो यह कि इस पण्राली की जानकारी भी अभी तक सभी को नहीं है। इसका भी योजनानुसार क्रियान्वयन करने के लिए अभी काफी काम करने की जरूरत है।

कटाक्ष/ कबीरदास

भाईबंदी की बात

भाई हम तो सुनीत कुमार सिंह के साथ हैं। बेचारे के साथ ज्यादती पर ज्यादती हो रही है। पुलिस के इंस्पेक्टर भी बने तो यूपी में। उस पर एकदम सूखी पोस्टिंग मिली, झांसी में। उसके भी ऊपर से एन्काउंटर राज आ गया। सरकारी वर्दी बचाने के लिए बंदे मारकर लाओ। वर्ना सस्पेंड। नयी टैक्नॉलोजी सिंह साहब की दुश्मन हो गयी। बंदे को सिर्फ एक फोन कॉल के लिए सस्पेंड कर दिया गया! बेशक, लेखराज यादव ने सुनीत कुमार सिंह के साथ दगा की है। उसने सिंह साहब की निजी बातचीत, सारी दुनिया को सुना जो दी है। पर कई-कई मामलों के अपराधी यादव से और उम्मीद भी क्या की जा सकती है? पर सुनीत सिंह को यों शराफत की सजा दिया जाना क्या सही है? उन्होंने तो भाईबंदी में यादव को फी एडवाइज दी थी। वह भी छोटी-मोटी नहीं, एन्काउंटर से बचाने वाली एडवाइज। सत्ताइसवार पार्टी के विधायक और जिला अध्यक्ष से कुछ ले-देकर निपटारा करा लेने की एडवाइज। बेचारे सिंह साहब इस कलियुग में रखवाले साइयां बनकर दिखा रहे थे। पर सरकार ने हाथ के हाथ सस्पेंड ही कर दिया। और वह भी किसलिए? सिंह साहब ने गैंगस्टर को पहले से चेता क्यों दिया कि उसके एन्काउंटर की तैयारियां हो रही हैं? जान बचानी है तो राज करने वालों को खुश कर के दिखाए। लेकिन, इसमें आपत्ति ठीक-ठीक किस चीज पर की जा रही है? एन्काउंटर की चेतावनी देने पर या राज करने वालों की शरण लेने का संदेश देने पर? पर क्या किसी की जान बचाना गुनाह है और वह भी तब जबकि उसी में सब का फायदा हो। गैंगेस्टर जी का भी, राज करने वालों का भी। और खुद पुलिस का भी। एक-एक कर सारे अपराधी यों ही सुधरने का सरकारी ठप्पा लगवा आएं, तो पुलिस का काम कितना आसान हो जाएगा? वैसे भी अपराधी को खत्म करने का जो काम पुलिस की गोली करती है और वह भी तरह-तरह के विवाद पैदा करते हुए, वही काम तो अपराधियों के गले में डाला जाने वाला अपराध-मुक्ति का सरकारी पट्टा करता है, बिना किसी विवाद के। अब इतनी ट्रिगर हैप्पी तो योगी सरकार भी नहीं है कि जहां बोली से काम निकलता हो, वहां भी गोली चलाने का तकाजा करेगी?

सीरिया को चाहिए एक साझा पहल

फ्रेड वीर

पिछले सप्ताह के अंत में सीरिया के कथित रासायनिक हथियारों के ठिकानों पर अमेरिका के नेतृत्व में मिसाइल हमले किए गए। इन हमलों के बाद रूस ने कहा कि इनसे वास्तव में कुछ भी नहीं बदला है। क्रेमलिन के करीबी विश्लेषकों का कहना है कि मास्को बशर अल-असद के सैन्य अभियानों को अपना समर्थन देता रहेगा, और इसके साथ ही वह शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के प्रयास भी जारी रखेगा। अमेरिका व इसके साथी देशों को किनारे करते हुए रूस ने पिछले साल ईरान व तुर्की के साथ मिलकर एक शांति प्रक्रिया की शुरुआत की थी। रूसी विश्लेषकों की राय में रूस का नेतृत्व इस बात को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त है कि अमेरिका के पास सीरिया की समस्या का कोई सुसंगत समाधान नहीं है और उसके नए मिसाइल हमलों व युद्धग्रस्त सीरिया के एक तिहाई हिस्सों पर स्थानीय सहयोगियों के साथ मिलकर लगातार कब्जा जमाए रखने का मकसद सिर्फ विघ्न डालना है। पिछले सप्ताह युद्ध जैसी घोषणाओं में रूस ने इस बात के साफ संकेत दिए थे कि यदि अमेरिकी मिसाइलों से एक भी रूसी नागरिक को नुकसान पहुंचा, तो भूमध्यसागर में अमेरिकी जंगी पोतों पर जवाबी कार्रवाई करने से वह कतई पीछे नहीं हटेगा। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया कि 'तैयार रहें'। सुयोग है कि यह नाटकीय मुद्रा तक सीमित रहा। यह साफ है कि सीरिया में रूस और अमेरिका की सैन्य टीमें कुछ यूं आपसी समन्वय के साथ सक्रिय हैं कि भूलकर भी उनकी आपसी भिड़ंत न हो, इसका अंदाज इस बात से भी हुआ कि 13 अप्रैल की रात जब अमेरिकी मिसाइलें सीरियाई ठिकानों पर आग उगल रही थीं, रूसी हवाई सुरक्षा निष्क्रिय कर दी गई थी और कोई भी क्रूज मिसाइल सीरिया में रूसी ठिकानों के इर्दगिर्द भी नहीं फटकी।

इंस्टीट्यूट ऑफ यूएसए-कनाडा स्टडीज के उप-निदेशक पॉवेल जोलोटारेव के मुताबिक, 'रूस की आधिकारिक प्रतिक्रिया मिसाइल हमलों को गलत और गैरकानूनी करार देती है और इसकी निंदा करती है। अपनी टिप्पणी में रूस ने यह आरोप लगाया है कि 'ऑर्गेनाइजेशन फॉर द प्रोइबिशन ऑफ केमिकल वीपन्स' के जांचकर्ताओं की टीम डूमा में कथित रासायनिक हथियारों के ठिकानों की पड़ताल शुरू करने ही वाली थी कि उसके ऐन पहले ये हमले कर दिए गए। साफ है, अमेरिकी नेतृत्व इन इंस्पेक्टरों की जांच तक भी सब्र रखने को तैयार न था। यह बताता है कि वे सैन्य कार्रवाई करना चाहते थे।' जोलोटारेव ने आगे कहा कि 'यह संयोग है कि पेंटागन और रूसी रक्षा मंत्रालय एक-दूसरे के करीबी संपर्क में हैं। और उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया कि वहां समस्याएं नहीं पैदा होने दी जाएंगी। इसलिए मिसाइल हमलों की प्रकृति राजनीतिक और प्रतीकात्मक अधिक थी। फिर भी, इन्होंने पहले से ही खराब

> क्या रूस और अमेरिका मिलकर साल पुराने इस बर्बर गृह युद्ध का कोई टिकाऊ राजनीतिक समाधान निकालेंगे?

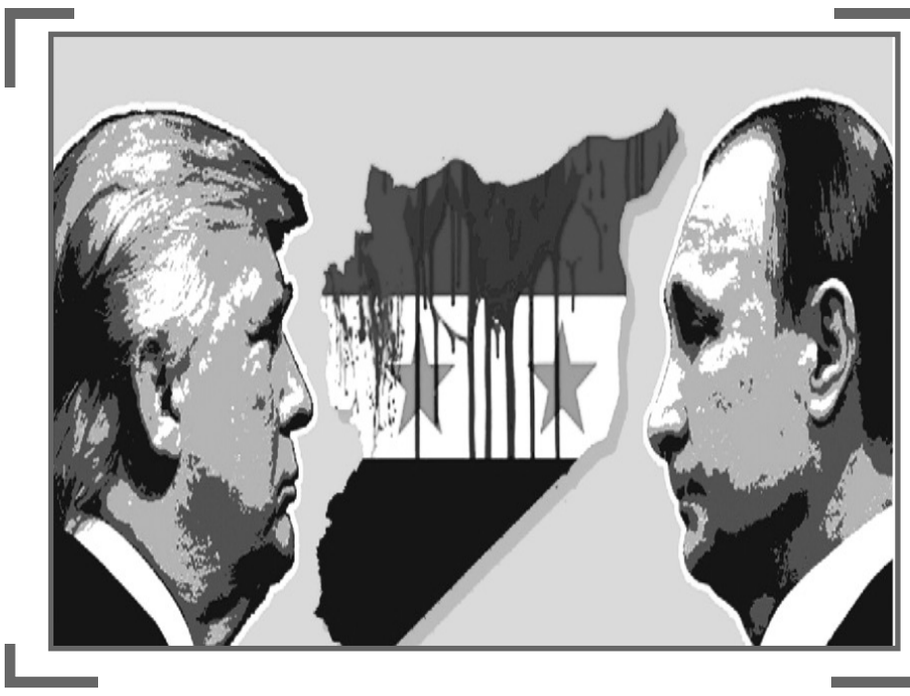

अमेरिका और रूस के रिश्तों में एक नया तनाव तो पैदा किया ही है।' शीर्ष स्तर के एक रूसी सैन्य अधिकारी का कहना है कि मास्को सीरिया को अपनी दूसरी श्रेणी की विमानभेदी मिसाइल प्रणाली- एस-300 दे सकता है, ताकि भविष्य में वह अमेरिका और उसके साथी दलों के हवाई हमलों का मुकाबला कर सके। रूसी सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल सरगेई रुस्कोई के मुताबिक, 'कुछ साल पहले अपने कुछ पश्चिमी साथियों के अनुरोध का ख्याल रखते हुए हमने सीरिया को एस-300 की आपूर्ति रोक दी थी। लेकिन हाल की घटनाओं को देखते हुए हम इस पर फिर से सोच रहे हैं।' अमेरिका और रूस के बीच कड़वाहट का यह नया स्रोत उस समय जुड़ा है, जब इन दोनों देशों के बीच तनाव काफी गहराता जा रहा है। रूसी जासूस और उनकी बेटी को ब्रिटेन में जहर दिए जाने को लेकर ब्रिटेन और रूस के बीच का विवाद अलग खदबदा रहा है। अमेरिका और रूस, दोनों तरफ से कूटनीतिकों के निष्कासन से हालत यह हो गई है कि सामान्य संवाद कायम करने में भी अब इन्हें कठिनाई होगी।

सीरिया के बारे में बड़ा सवाल यह है कि क्या रूस और अमेरिका इस समस्या के समाधान में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे और सात साल पुराने इस बर्बर गृहयुद्ध का मिलकर कोई टिकाऊ राजनीतिक हल तलाशेंगे? विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका को नजरअंदाज करके रूस जो पहल कर रहा है, उसका कोई भविष्य नहीं है। मास्को की विदेश नीति संबंधी एक जर्नल रसिया इन ग्लोबल अफेयर्स के संपादक फियोडोर लकियानोव का कहना है कि 'सीरिया के सैन्य हालात एक साल पहले के मुकाबले आज बेहतर हैं। मगर तुर्की और ईरान के साथ कई बैठकों के बावजूद कोई राजनीतिक समाधान आसपास नहीं दिख रहा। रूस का इन दोनों साथी देशों के साथ रिश्ता बेहद जटिल है। पुतिन तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के साथ अपने रिश्ते को पटरी पर लाने के लिए खूब मशक्कत कर रहे हैं, मगर उनका कोई प्रयास कारगर नहीं साबित हो रहा।' तुर्की ने अमेरिकी मिसाइल हमलों की हिमायत में जहां बयान जारी किए हैं, वहीं ईरान मास्को से इस बात से खफा है कि वह इन हमलों को रोकने में नाकाम रहा। पश्चिम एशिया के विश्लेषक व्लादिमीर सोत्निकोव का कहना है कि 'अब यह स्पष्ट हो रहा है कि अमेरिका और रूस के बीच सहयोग के बिना सीरिया की समस्या का कोई भी कारगर समाधान नहीं निकल सकता।' इसका सीधा सा मतलब है कि रुकी हुई जेनेवा शांति प्रक्रिया को फिर से शुरू करना पड़ेगा। इस शांति प्रक्रिया में अमेरिका और उसके साथी देशों की सक्रिय भागीदारी थी। सोत्निकोव आगे कहते हैं कि अमेरिका के हालिया मिसाइल हमलों के बाद स्थितियां अधिक जटिल हो गई हैं। रूस को चिंता है कि अमेरिकी कभी भी इसे दोहरा सकते हैं। लेकिन सीरिया में दोनों देशों के बीच संवाद अब भी कायम है, बल्कि वह संवाद काफी प्रभावकारी है, और इसीलिए उम्मीद बंधती है कि सीरिया की मौजूदा दर्दनाक तस्वीर बदलेगी।

उम्दा उपलब्धियां

समृद्ध खेल दर्शन चाहिए देश को

जगमति सांगवान

2016 रियो ओलम्पिक खेलों में अभूतपूर्व जीत, आमिर खान द्वारा बनाई गई फ़िल्म दंगल का ब्लाक-बस्टर प्रदर्शन, महिला क्रिकेट द्वारा वर्ल्ड कप विजय तथा अभी गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में उम्दा प्रदर्शन इस तथ्य को बखूबी रेखांकित करते हैं कि देश के युवा खेल जगत में धाक ज़माने को तैयार हैं, अगर उन्हें सम्बन्धित पक्षों से समयोचित प्रोत्साहन मिले।

राष्ट्रमंडल के 88 साल के इतिहास में भारत का यह तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। किसी ने इसी दौरान लिखा 'चमके गुदड़ी के लाल।' इसे इस तरह कहते आगे बढ़ें- 'चमके गुदड़ी के लाल और ललनाएं' क्योंकि ललनाओं की चमक का आभामंडल इतना खूबसूरती से उभरा है कि वो भाषा की बनगत के ढांचों को भी अवश्य समृद्ध करेगा। बहरहाल यहां मुख्य सवाल यह है कि जब अन्तर्राष्ट्रीय पैमाने पर गरीबतम परिवार और उनके बच्चे मुख्यत- अपने प्रयासों से देश का परचम फहरा सकते हैं तो अगर सरकारें और समाज उनके साथ सच्चे दिल से खड़े हों तो वे भारत को खेलों में तो कम से कम उसके आकार अनुरूप सम्मान दिला ही सकते हैं।

फ़िलहाल तो उनकी मुख्य भूमिका यही नज़र आती है कि जब ये खिलाड़ी अपने परिवारों के तमाम बजट को निचोड़ कर, ऐड़ी चोटी का जोर लगाकर मैडल जीत लेते हैं तो राजनेताओं व समाज के नेताओं में इनके साथ फ़ोटो खिंचवाने की होड़-सी लग जाती है।

जिस समय ये खिलाड़ी आर्थिक-सामाजिक तमाम तरह की विपरीत परिस्थितियों से जूझ रहे होते हैं, उस समय विरले ही इनका हाथ थामने को आगे आते हैं। महिलाओं, दलितों व अल्पसंख्यक सामाजिक पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों के संदर्भ में यह हक़ीक़त और भी भयावह रूप में सामने आती है। कई प्रतिभाएं उपयुक्त खेल सुविधाओं, सही कोचिंग, किट व डाइट के अभाव में रास्ते में ही दम तोड़ जाती हैं। चयन में व्याप्त भाई-भतीजावाद द्वारा कितनों के ही पंख क़तर दिए जाते हैं। कितनी ही यौन शोषण की शिकार प्रतिभाएं सालों साल अपना दर्द साथ लिए रास्ते तलाशने को मजबूर होती हैं। यह हमारे लिए विचारणीय सवाल होना चाहिए।

सवाल उभर कर आता है कि हमारे देश की खेल उपलब्धियां देश की आबादी व आकार के अनुरूप क्यों नहीं हैं? एक भीम अवार्डी खिलाड़ी व वर्षों के प्रशासकीय अनुभव के आधार पर मुझे लगता है कि देश में एक व्यापक जन खेल संस्कृति पैदा करने के सरोकार से खेलों पर विमर्श खोलना चाहिए व संसाधनों को उसी दिशा में लगाना चाहिए।

खेलों के स्वस्थ शारीरिक व मानसिक विकास की क्षमता से रिश्ता अभी क़ायम ही नहीं हुआ। वरना ये कैसे हो जाता कि पंजाब जैसे राज्य का बड़ा नौजवान तबक़ा नशे की चपेट में चला जाए और हम कुछ कर ही न पाएं। खेलों में नौजवान तबके को सृजनात्मकता के साथ जोड़ने की ताक़त है। बशर्ते की हम उसे पहचानें और उस जगह से खेलों से रिश्ता क़ायम करें। उस प्रक्रिया से मैडलों की खेती लहलहाएगी। इस नज़रिए में यह ज़रूरी है कि गांवों व शहरों में खेलों का सुदृढ़ ढांचा खड़ा करना हमारी पहली प्राथमिकता हो। सही क़दम से चीजें काफ़ी हद तक सही दिशा में बदलना शुरू हो जाएंगी। किसे नहीं पता कि मैडल जीतने के बाद करोड़पति बनाना उस प्रतिभा को भुनाने वाला रिश्ता है और इसी वजह से खेलों में मालामाल होने की ललक खिलाड़ियों को ड्रग सेवन की तरफ़ भी धकेलती है।

पूरे खेल का कमर्शियलाइजेशन खेल भावना को मारता है। खेल सुविधाओं के अभाव में उभरती हुई खेल प्रतिभाएं निजी खेल अकादमियों के शोषण का शिकार होती जा रही हैं। जिस दिन पूरा देश राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के तीसरे स्थान की ख़ुशी मना रहा था, साथ में यह ख़बर भी चल रही थी कि देश की उभरती आकांक्षा 'मिलेनियम सिटी' गुड़गांव से 8वें मील पर (घामडोज) में फ़ुटबॉल टीम व उनके कोच वन मन्त्री व उनके लोगों की उनके खेल मैदान पर बदनीयत के ख़िलाफ़ आमरण अनशन पर।

दूसरी तरफ़ खेल संगठनों की कार्यप्रणाली व चरित्र को भी जन खेल संस्कृति के अनुरूप ढालने की सख़्त ज़रूरत है। राजनेताओं व अफ़सरशाही से इन्हें मुक्त करके इनमें असल खेल प्रेमियों व इस क्षेत्र की प्रतिभाओं से लैस करना चाहिए। इसके लिए सरकार को खेल बजट में पर्याप्त वृद्धि करते हुए खेल संघों की इन लोगों पर निर्भरता ख़त्म करनी होगी। उभरते हुए तबक़ों जैसे महिलाएं, को ज़्यादा से ज़्यादा खेल जगत को स्वरूप देने में शामिल करना होगा।

अभी तक खेल संघों व नीति निर्धारण में उनकी सजावटी मात्र भागीदारी ही है। ओलम्पिक खेलों के एकदम बाद प्रधानमंत्री द्वारा गठित आठ सदस्यीय खेल टास्क फ़ोर्स में भी एक भी महिला नहीं रखी गई है जबकि ओलम्पिक में मैडल तो वही जीत कर लाई थी। उससे गद?गद होकर स्वयं प्रधानमंत्री ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नारे को बेटी खिलाओ' तक विकसित करने का आह्वान किया था।

आज अपनी हिम्मत और हौसले के आधार पर अपना स्थान बनाती प्रतिभाओं के विचारों, अनुभवों और आकांक्षाओं को शामिल करने से ही खेल दर्शन समृद्ध होगा। दुनिया की खेल ताक़तों द्वारा उनके यहां विकसित की गई खेल संस्कृतियों का रास्ता इन्हीं मुकामों से होकर गुज़रा है।

खेती-किसानी

आसमान से बरसी आफत

रविशंकर

पिछले दिनों उत्तर भारत में हुई तेज़ बारिश के कारण कई राज्यों में फसल को भारी नुक़सान हुआ है। खड़ी फसलें जमीन पर आ गई। बेमौसम बरसात और ओलों की मार से बर्बाद फसलों के आगे किसान माथा पीट रहे हैं। किसानों का मरना जारी है। आत्महत्या करने वाले अधिकांश किसान बैंकों से खेती-बाड़ी के लिए कर्ज ले रखे थे। लेकिन बेमौसम की बरसात और ओले ने अबकी कर्ज सधान की उनकी उम्मीदों पर मनों पानी फेर दिया था। ये जो फसलें खराब हुई हैं, वे मूलभूत जरूरतों से जुड़ी हैं, ऐसे में उनका गुजारा मुश्किल हो जाएगा। फसलें बर्बाद होने से मंडियों में अनाज नहीं पहुंचेगा। लोग त्राहिमाम करेंगे। कालाबाजारी से अनाज के दाम आसमान पर होंगे। ऐसे में सरकार लोगों की सीधे मदद नहीं कर पाएगी। करेगी, तो विकास दर पर काफी असर पड़ेगा। हालांकि मुआवजे के लिए केंद्र सरकार की गाइडलाइन्स है कि फसल 50 फीसद तक अगर खराब होती है, तो वह राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगती है। राज्य सरकार जिला प्रशासन से, और जिला प्रशासन इसके लिए एसडीएम को जिम्मेदारी देता है। एसडीएम ये काम पटवारी, लेखपाल को सौंपता है। जो सरपंच, प्रधान से मिलकर रिपोर्ट तैयार करता है। इस दौरान जिस किसानों का नुकसान हुआ होता है, उन्हें पटवारी, प्रधान के पीछे-पाछे घूमना होता है। हश्र ये होता है कि 80 फीसद प्रभावित किसानों की फसल को सही तरीके से आंका नहीं जाता। मुआवजा उन्हें मिलता है, जो पटवारी या सरपंच के नजदीकी होते हैं। ऐसी स्थिति में जरूरतमंद किसान हाथ मलता रह जाता है। गौर करने वाली बात यह है कि भारत में बारिश दो मॉनसूनी सत्रों में होती है। एक मुख्य, जो बरसात का मौसम होता है। दूसरा सर्दियों के आखिर में भूमध्यसागरीय चक्रवात के सक्रिय होने पर। लेकिन यह लगातार दूसरा साल रहा है जब बेमौसम बरसात हुई। यही वजह रही कि हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड सहित कई अन्य राज्यों में खेती-किसानी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ा। साफ है, परेशानियां हर तरफ होंगी। हालांकि अभी तक किसी भी राजनीतिक दलों का ध्यान इस तरफ नहीं गया है। जाहिर है, हमारे यहां राजनीतिक पार्टियों को अपने इन ''अन्नदाताओं' की याद तभी आती है जब चुनाव सिर पर आते हैं क्योंकि देश का सबसे बड़ा वोट बैंक भी यही हैं। लेकिन सत्ता की चाभी हाथों तक पहुंचते ही देश की सबसे बड़ी साधनहीन आबादी को उसकी तकदीर पर छोड़ दिया जाता है।इससे पहले आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया कि औसतन एक किसान की सालाना आमदनी 20 से 30 हजार रु पये है। तो क्या ये मानें कि पांच साल बाद इस किसान की सालाना आमदनी 40 हजार से 60 हजार रु पये हो जाएगी। अगर हो भी गई तो क्या इस बात का दावा किया जा सकता है कि महंगाई का आंकड़ा दोगुना या उससे अधिक नहीं होगा। दूसरी अहम बात यह कि खेती-किसानी पर लगातार आपदा की वजह से किसान भीषण कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक घाटे का सौदा होने की वजह से हर रोज ढाई हजार किसान खेती छोड़ रहे हैं और हर दिन 50 के करीब किसान मौत को गले लगा रहे हैं। और तो और, देश में अभी किसानों की कोई एक परिभाषा भी नहीं है। वित्तीय योजनाओं में, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो और पुलिस की नजर में किसान की अलग-अलग परिभाषाएं हैं। जाहिर है, घटती आमदनी के चलते किसान निराश हैं।हालांकि मोदी सरकार ने किसानों की आर्थिक स्थिति को ठीक करने के लिए इस बार संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट में सरकार ने किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। लेकिन सरकार इस लक्ष्य को कैसै पूरा करेंगी, यह अपने आप में एक गंभीर सवाल है। क्योंकि हमारे यहां खेती- किसानी के जो वर्तमान स्थिति है, वह काफी दयनीय है। ऐसे में अगर किसानों की आय दोगुनी करनी है तो कृषि की वृद्धि दर हर साल 14 प्रतिशत तक ले जानी होगी। उसके लिए एक तरफ खेती की उत्पादकता बढ़ानी होगी और दूसरी तरफ न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने होंगे। इन दोनों मोर्चो पर कोई बड़ी अब तक दिखाई नहीं दिया है। बहरहाल, नया युवक इस खेती के धंधे में आना नहीं चाहता। सारे ग्रामीण शहरों की चकाचौंध देख शहरों की ओर भाग रहे हैं और जो बचे हैं, वे विदर्भ जैसे प्रांत में आत्महत्या कर रहे हैं। ग्रामीण भारत में सबको अन्न देने वाला किसान आज भूखा मर रहा है।

सार-समाचार

रूस का दावा, सीरिया में अटैक कर अमरीका ने नहीं की रेड लाइन क्रॉस

मास्को। रूस ने कहा है कि अमरीका ने सीरिया पर अटैक कर रेड लाइन को क्रॉस नहीं किया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि अमरीका ने उनसे फोन पर बात कर कहा कि उन्होंने कहा कि सीरिया में हमारी रेड लाइन कहां थी, तब अमरीका ने बताया कि उन्होंने अटैक कर किसी भी रेड लाइन को क्रॉस नहीं किया है। सीरिया पर 7 अप्रैल को हुए केमिकल अटैक के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराते हुए अमेरिका ने सीरियाई मिलिट्री बेस पर हवाई हमले कर जवाब दिया था।

रूसी विदेश मंत्री के अनुसार, अमरीका ने उन्हें कहा कि सीरिया मे रूस की उपस्थिति की सम्मान करते हैं और उन्होंने वहां किसी भी प्रकार के रेड लाइन को क्रॉस नहीं किया है। अगर रूस के दावे को स्वीकार किया जाए, तो सीरिया अटैक के बाद अमरीका की तरफ से यह पहला सकारात्मक बयान है। विदेश मंत्री लावरोव ने साथ में यह भी कहा कि पिछले माह पुतिन की जीत के बाद, डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें बधाई देते हुए व्हाइट हाउस आने के लिए निमंत्रण दिया था।

लावरोव ने कहा कि अगर पुतिन व्हाइट हाउस की यात्रा करते हैं, तो रूस और अमरीका के बीच यह एक पारस्परिक दौरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि रूस के अधिकारी बहुत ज्यादा परेशान नहीं होना चाहते हैं, लेकिन अपमानित भी नहीं होना चाहते हैं। लावरोव ने कहा कि पुतिन अमेरिकी राष्ट्रपति से मीटिंग के तैयार है। रूस और अमेरिका के रिश्तों शीत युद्ध के बाद सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। 2014 में युक्रेन विवाद, सीरिया युद्ध, 2016 यूएस इलेक्शन में मास्को की दखलंदाजी और ब्रिटेन में रूसी जासूस पर केमिकल अटैक जैसे ताजा विवादों ने दोनों ही देशों को हथियारों की लड़ाई को मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है।

मुस्लिम धर्मगुरु का फेसबुक को लेकर फतवा जारी

रोम। मिस्र में रहने वाले एक मुस्लिम धर्मगुरु शकवी अल्लाम ने फेसबुक लाईक को लेकर अनोखा फरमान जारी करते कहा कि "सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर लोगों से फर्जी लाइक करवाना सरासर गलत है। लाइक्स की खरीद-फरोख्त करना इस्लाम के अंतर्गत हराम माना जाता है।"

धर्मगुरु शकवी अल्लाम ने इस संबंध में एक फतवा भी जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया से जुड़ी कई चीजें शामिल हैं। शकवी अल्लाम मिस्र में ग्रैंड मुफ्ती हैं। वह यहां पर लोगों को इस्लाम से जुड़े कानून और वैधानिक मामलों के बारे में बताते हैं। मुस्लिम धर्मगुरु ने इस बाबत अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट भी किया। उन्होंने इसमें कहा, "अगर लाइक्स नकली हों, तब इस चीज को नाजायज समझा जाना चाहिए, जो एक किस्म की जालसाजी या धोखाधड़ी भी है।"

आगे एक हदीस (पैगंबर मोहम्मद के कथन) का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, "जो धोखा देता है, वह हममें से नहीं है।" हालांकि, धर्मगुरु ने इसी के साथ यह भी स्पष्ट किया कि दर्शकों (ऑडियंस) को बढ़ाने के लिए विज्ञापन चलाना, जिससे कि लाइक्स में भी बढ़ोत्तरी होती है, यह चीज हराम नहीं है, क्योंकि वे लाइक्स असली होते हैं।

अमेरिका:पूर्व छात्र ने स्कूल में की अंधाधुंध गोलीबारी, 1 घायल, आरोपी गिरफ्तार

फ्लोरिडा में एक बार फिर स्कूल में गोलीबारी हुई। हादसे में एक छात्र घायल हो गया है।

फ्लोरिडा (एपी)। फ्लोरिडा में एक बार फिर स्कूल में गोलीबारी की घटना सामने आई। हादसे में एक छात्र घायल हो गया है। खबरों के अनुसार संदिग्ध गिटार केस में शॉटगन छुपा कर लाया था।

मौका पाते ही हमलावर ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। अध्यापक और छात्र अपनी जान बचाने के लिए बेंच और दरवाजों के पीछे छुप गए। हमलावार एक 19 वर्षीय युवक था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। युवक को जब हथकड़ी पहनाई गई, वह डर गया और माफी मांगने लगा। इस हादसे में स्कुल के 17 वर्षीय बच्चो को गंभीर चोटें आई हैं। उसका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। संदिग्ध की पहचान स्काई बाउच के रुप में की गई है। पकड़े जाने के बाद युवक ने वहां मौजूद संवाददाता से कहा कि मुझे माफ कर दो। उसने आगे कहा कि मैंने किसी पर गोली नहीं चलाई। अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वाउज स्कूल का ही पूर्व छात्र है।

बता दें कि दो महीने पहले भी फ्लोरिडा के स्टोनमैन डगलस हाई स्कूल में फायरिंग में 17 लोगों की मौत हो गई थी। स्कूल के पूर्व छात्र निकोलस क्रूज ने स्टोनमैन डगलस हाई स्कूल में वैलेंटाइंस डे के दिन एआर-15 ऑटोमैटिक राइफल से 15 छात्रों और दो स्टाफ मेंबर्स की हत्या कर दी थी।

अमेरिकी स्कूल में गोलीबारी की दूसरी सबसे बड़ी वारदात को अंजाम देने वाला क्रूज इसी स्कूल में पढ़ता था। उसे अनुशासनहीनता के आरोप में पिछले साल स्कूल से निकाल दिया गया था।

भारतीय पुलिस और सुरक्षाबल करते हैं शक्तियों का दुरुपयोग- अमेरिकी विदेश विभाग

अमेरिकी विदेश विभाग ने मानवाधिकार रिपोर्ट में पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा उल्लंघन के लिए भारत की आलोचना की है।

न्यूयॉर्क । अमेरिकी विदेश विभाग ने मानवाधिकार रिपोर्ट में पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा किए गए अपराध के लिए भारत की आलोचना की है। सबसे महत्वपूर्ण मानवाधिकार मुद्दों में पुलिस और सुरक्षा बल के दुरुपयोग शामिल थे। जिनमे असाधारण हत्याएं, गायब होना, यातना, मनमानी गिरफ्तारी और हिरासत, दुष्कर्म, कठोर और खतरनाक जेल की धमकी और लंबी प्रत्याशित हिरासत जैसे आरोप शामिल हैं।

अमेरिका ने शुक्रवार को 2017 की मानवाधिकार रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर राज्य, पूर्वोत्तर और माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में अलगाववादी विद्रोहियों और आतंकवादियों ने सशस्त्र बलों के कर्मियों, पुलिस, सरकारी अधिकारियों और नागरिकों की हत्याओं और यातना सहित गंभीर दुर्व्यवहार किया और इसके लिए बाल सैनिकों का उपयोग किया गया।

इस रिपोर्ट का प्रकाशन ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके प्रशासन पर अमेरिकी अधिकारियों ने नागरिक अधिकारों के हनन और मीडिया पर हमला करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत में मीडिया आउटलेट की सेंसरशिप और उत्पीड़न जिसमें सरकार की कुछ आलोचनाएं जारी रहीं। इस रिपोर्ट की कई अन्य देशों की भी आलोचना की गई है।

'Google का यह एंड्रॉयड ऐप साइबर अपराधियों के लिए एक 'गिफ्ट' जैसा है

एमनेस्टी इंटरनेशनल ने गूगल की चैट सुविधा पर सवाल उठाए हैं। उसका कहना है कि यह साइबर अपराधियों और सरकारी जासूसी के लिए एक गिफ्ट की तहत होगा।

सैन फ्रांसिस्को । गूगल ने व्हाट्सऐप और अन्य मोबाइल मैसेजिंग ऐप की तहत खुद का चैट ऐप लॉन्च करने का फैसला किया है। सर्च इंजन कंपनी एक नई चैट ऐप पर काम कर रही है और संभव है कि जल्द यह लॉन्च भी हो जाएगी। कंपनी ने इसका नाम Chat रखा है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने गूगल की चैट सुविधा पर सवाल उठाए हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है कि गूगल का यह निर्णय एंड्रायड यूजर्स की गोपनीयता की पूरी तरह से अवमानना दिखाता है। यह

साइबर अपराधियों और सरकारी जासूसी के लिए एक गिफ्ट की तहत होगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नई चैट सेवा में मैसेज इंटरनेट के जरिए नहीं बल्कि मोबाइल फोन से भेजे जा सकेंगे, यानि एसएमएस के जरिए। इस हफ्ते 'द वर्ज' के एक बयान में, गूगल प्रवक्ता ने पुष्टि की कि नई सेवा एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन का उपयोग नहीं करेगी और गूगल अपने मौजूदा मोबाइल मैसेजिंग ऐप 'एलो' में निवेश रोक रहा है, जिसमें एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन का उपयोग होता है। एमनेस्टी इंटरनेशनल एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन को तकनीकी कंपनियों के लिए न्यूनतम आवश्यकता मानता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मैसेजिंग ऐप्स में निजी जानकारी निजी रहती है।

क्या है एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन

एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन एक सिक्योरिटी फीचर है। उदाहण के तौर पर बता दें कि जैसे आप व्हाट्सऐप से जो भी डाटा शेयर करेंगें जैसे चैट, इमेज, वीडियो या मैप वह डाटा केवल आपके और आप जिस व्यक्ति को भेज रहे हैं उसके बीच रहेगा, बीच में उसे कोई और नहीं पढ़ पायेगा।

क्या है गूगल की नई सर्विस

गूगल ने साल 2013 में Talk app को बंद करके Hangouts शुरू किया था और फिर बाद में Allo लेकर आया था। लेकिन गूगल ने अब द्यद्यश पर अपने काम को रोक दिया है। कंपनी इन दिनों एक नई सर्विस पर काम कर रही है, जिसे Chat नाम दिया गया है। गूगल के Chat ऐप की सबसे बड़ी खासियत ये होगी कि यूजर इसी एप के जरिए किसी दूसरे यूजर को एसएमएस कर सकेंगे। यानी गूगल के इस ऐप में एसएमएस करने के लिए यूजर्स को ऐप के बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

चीन बोईंग और एयरबस का सबसे बड़ा सप्लायर, 50 से ज्यादा एयरक्राफ्ट इन देशों के बेचे हैं

बीजिंग (प्रेट्र)। चीन के विमान निर्माता कंपनियों ने कहा है कि 50 से अधिक चीनी निर्मित विमान जिनका उपयोग यात्री और कार्गो परिवहन दोनों के लिए किया जा सकता है, उन्हें आठ बेल्ट और रोड देशों में पहुंचा दिया गया है। एवीआईसी हार्बिन एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री ग्रुप (एचएआईजी) कंपनी लिमिटेड ने कहा कि नवीनतम दो Y-12E विमानों को 17 अप्रैल को नेपाल को वितरित किए गए थे, जहां उनका उपयोग कुछ दूरियों के घरेलू परिवहन के लिए किया जाएगा।

नेपाल ने इसके पहले पहले क्रमशः 2014 और 2017 में दो Y-12E खरीदे थे। दोनों विमानों ने अब तक 1,725 से अधिक सुरक्षित उड़ान रिकॉर्ड किए हैं। राज्य की शिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि विमान 2015 में भूकंप से पीड़ित लोगों के मदद के लिए परिवहन में काम में लाया गया। पूर्वोत्तर चीन के हार्बिन में स्थित हेग अंतरराष्ट्रीय विमानन उद्यमों जैसे बोइंग और एयरबस का एक बड़ा सप्लायर है। इसने अब तक स्वतंत्र रूप से कई प्रकार के हेलीकॉप्टर और हल्के क्षेत्रीय विमान विकसित किए हैं।

बड़े पंखों वाले दो इंजन के Y-12 श्रृंखला के विमान हल्के और सामान्य उद्देश्य के लिए होते हैं जिसे यात्री और कार्गो परिवहन के साथ-साथ पैराशूट और जंपिंग के लिए भी उपयोग में लाया जाता है। हेग ने संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस समेत दुनिया भर के 30 से अधिक देशों और क्षेत्रों में ड्ड-12 श्रृंखला के विमान बेचे हैं। अरबों डॉलर के वन बेल्ट वन रोड (ओबोर) जिसमें विवादास्पद चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) एक हिस्सा है। इसका उद्देश्य दुनिया भर में बंदरगाहों, राजमार्गों और रेलवे सहित कनेक्टिविटी परियोजनाओं का निर्माण करना है। आपको बता दें कि भारत ने सीपीईसी का शुरु से ही विरोध किया था क्योंकि इसका निर्माण पाकिस्तान-कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होते हुए किया जा रहा है।

चीन ने भी उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षण पर रोक लगाने के फैसले का किया स्वागत

बीजिंग । चीन ने आज कहा कि वह उत्तर कोरिया के परमाणु और इंटरकांटिनेंटल मिसाइल परीक्षण पर रोक लगाने के फैसले का स्वागत करता है। प्योंगयांग के मुख्य सहयोगी चीन ने कहा कि यह कदम पड़ोसी इलाकों में डीन्युक्लराइजेशन को बढ़ावा देने में मदद करेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लू कांग ने अपने एक बयान में कहा, "चीन का मानना है कि परमाणु परीक्षण रोकने, देश की अर्थव्यवस्था में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने का उत्तर कोरिया का निर्णय सराहनीय है।

इस फैसले से कोरियाई प्रायद्वीप की स्थिति बेहतर होगी और साथ ही डिन्युक्लराइजेशन की प्रक्रिया को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।" चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि "चीन उत्तरी कोरिया का अन्य संबंधित पार्टियों (दक्षिण कोरिया और अमेरिका) के साथ द्विपक्षीय वार्ता को समर्थन करता है।" उत्तरी कोरियाई नेता किम जोंग उन ने डेमिलिटराइज्ड जोन में आयोजित एक शिखर सम्मेलन में दक्षिण कोरियाई नेता मून जे इन से मुलाकात कर ली है। आपको बता दें कि कोरियाई प्रायद्वीपों के नेताओं की ये मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ किम की आगामी बहुप्रतीक्षित मुलाकात के पहले हुई है। गौरतलब है कि डेमिलिटराइज्ड जोन वह जगह है जो दोनों प्रायद्वीपों (उत्तर-दक्षिण कोरिया) को आपस में अलग करती है। हालांकि, किम ने इस तरफ कोई संकेत नहीं दिया है, लेकिन प्योंगयांग अपने परमाणु हथियारों के परीक्षण को छोड़ने के लिए तैयार है। बताया जाता है कि उनके अधिकतर मिसाइल परीक्षण अमेरिकी क्षेत्र तक किये जाते थे,जिसके बाद अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच तनाव बढ़ गए थे। गौरतलब है कि, सालों से उत्तर कोरिया में अर्थव्यवस्था और विकास की गति काफी पीछे है।

पाक कोर्ट का गृह मंत्रालय को आदेश- किरण बाला मामले पर तीन दिन में ले फैसला

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान की लाहौर कोर्ट ने किरण बाला उर्फ आमना बीबी की अर्जी पर तीन दिन के भीतर निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। लाहौर हाईकोर्ट ने गृह मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह पाकिस्तानी नागरिकता और अपने वीजा की अवधि बढ़ाने का अनुरोध करने वाली किरणा बाला की अर्जी पर तीन दिन के अंदर निर्णय करे।

पंजाब में होशियारपुर के गांव गढ़शंकर की रहने वाली हिंदू परिवार की किरण बाला 12 अप्रैल को सिख श्रद्धालुओं के जत्थे में शामिल होकर अटारी से विशेष रेल गाड़ी से श्री पंजा साहब गई थी। वहां उसने अपने फेसबुक दोस्त मोहम्मद आजम के साथ लाहौर की जामा मस्जिद में इस्लाम कुबूल किया। वहीं पर निकाह के बाद उसने अपना नाम आमना बीबी रख लिया था।

लड़की के परिजनों को इस बात का पता उस समय चला जब युवती ने इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान विदेश विभाग के कार्यालय में एक अर्जी दायर की। इसमें युवती ने कहा है कि उसने अपनी मर्जी से लाहौर निवासी

मोहम्मद आजम से निकाह किया और वह 21 अप्रैल को भारत लौटने वाले जत्थे के साथ वापस नहीं जाएगी। इसमें यह भी लिखा है कि उसके वीजा की अवधि 21 अप्रैल को खत्म हो रही है, इसलिए उसे अगले तीन महीने का वीजा दिया जाए, ताकि वह पाकिस्तान में रह सके। किरण बाला के वकीलइजाज अहमद खान ने अदालत से कहा कि वह पाकिस्तान के राष्ट्रीयता और उनके वीजा में विस्तार के लिए विदेश मंत्रालय में दो आवेद कर चुके हैं। किरण का वीजा 21 अप्रैल को समाप्त होने वाल है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता पाकिस्तानी नागरिकत हासिल करने के लिए सत्यापन के लिए तैयार है।

ससुराल में पाकिस्तान पुलिस का पहरा

फिलहाल किरण बाला उर्फ आमना बीबी इस समय मुल्ता रोड लाहौर में अपने ससुराल घर में है। उसके ससुराल के घ को पाकिस्तान पुलिस की ओर से चारों ओर से घेर रखा गय है ताकि वीजा न मिलने की सूरत में उसे सिख जत्थे के सा ही भारत भेजा जा सके।

केंद्र सरकार दे दखल, किरण की न बढ़े वीजा अवधि तरसेम

पाकिस्तान में निकाह करने वाली किरण बाला के ससु तरसेम सिंह ने गुहार लगाई है कि उनकी बहू की वीजा अवधि न बढ़े। इसके लिए केंद्र सरकार दखल दे। उन्होंने गढ़शंक के पूर्व विधायक लव कुमार गोल्डी से इस मसले को मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के ध्यान में लाने की फरिया की है।

सूरत। सचीन इंडस्ट्रीयल को.ओ. सोसायटी ली. के सदस्य मेसर्स अमी ओगीनीकस प्रा.ली. के डायरेकटर श्री नरेश भाई वधासिया ने वाणिज्य और उधोग मंत्रालय भारत सरकार के तरफ से मान्यता प्राप्त केमिकल और फार्मास्युटिकल की सबसे बड़ी संस्था chemexcil की ओर से पुरे देश में से छोटे उधोग के क्षेत्र निकास करने में दूसरे स्थान प्राप्त कर पुरस्कृत किया गया .जो सचीन जी.आई.डी.सी. और सुरत शहर के लिये गर्व की बात हैं श्री ने श्री नरेश भाई वधासिया ने अलग-अलग ट्रेडीग के बाद बहुत छोटे स्थान से मेसर्स अमी ओगीनीकस की स्थापना वर्ष 2004 में सचीन जी.आई.डी.सी में किया गया था. 14 साल तक आज भी अमी ओगीनीकस आज एक अग्रणी उधोग और पुरे राज्य के लिये यह एक प्रेरणा रूप हैं

साथ ही सचीन इंडस्ट्रीयल को.ओ. सोसायटी ली. के सेक्रेटरी मयुर जे.गोलवाला ने इस तरह के छोटे उधोगों को देश और अन्य क्षेत्रों में विकास के ओर ले जाने में आथक परिश्रमपूर्वक का नतीजा हैं.जो किसी भी प्रकार की प्रश्नोत्तरी को जल्द-से जल्द पूर्ण करते हैं.

गुजरात में गर्मी में परिवर्तन की स्थिति के बीच गर्मी का प्रकोप जारी है। जबकि जैन समाज के साधु-संतों के लिए गर्मी से बचने के लिए रोड पर विशेष व्यवस्था की गई है।

पांडेसरा केस में आरोपियों ने सारी हदे पार कर दी

विधवा मां और बच्ची पर सामूहिक रेप और डबल मर्डर हर्ष

गुर्जर और इसके संबंधित लोगों द्वारा विधवा मां-बच्ची पर रेप करने के बाद दोनों को मौत के घाट उतारा गया था

सूरत। गुजरात सहित देशभर में सनसनी मचानेवाले पांडेसरा क्षेत्र में रेप करने के बाद हत्या की गई हालत में मिली ११ वर्षीय बच्ची के केस में मानवता की सारी हदे पार कर दी है यह जानकारी सामने आयी है। अहमदाबाद क्राइमब्रांच द्वारा मुख्य आरोपी हर्ष सहाई गुर्जर को गत दिन गिरफ्तार करने के बाद शनिवार को इसे अहमदाबाद क्राइमब्रांच की ऑफिस में जांच के लिए लाया गया था। आरोपी हर्ष सहाई गुर्जर की पूछताछ के दौरान चौंकानेवाले खुलासे सामने आये थे कि, आरोपियों ने बच्ची की विधवा मां और इसकी ११ वर्षीय बच्ची को राजस्थान के गंगापुर से खरीदा था। यहां लाने के बाद आरोपी हर्ष सहाई गुजर ने मां और बच्ची दोनों को कई दिनों तक अपनी हवस का शिकार बनाया था और इस पर बारबार रेप किया गया था। इस मामले में हुए झगड़े में आरोपी हर्ष गुर्जर ने विधवा मां को मौत के घाट उतारा दिया था। उस समय में उपस्थित रही मासूम बच्ची को भी देखनेवाली होने से गवाह होने की वजह से इसे भी मौत के घाट उतारा गया था। मां और बच्ची की हत्या अलग-अलग जगहों पर की गई थी। जांच में यह भी चौंकानेवाला खुलासा किया गया था। हर्ष गुर्जर और इसके संबंधित लोगों द्वारा विधवा मां और मासूम बच्ची बारबार मानवता की सारी हदे पार करके सामूहिक रेप किया गया था। राज्य का यह सनसनी मचानेवाले डबल मर्डर और सामूहिक रेप केस बन रहा है। पूरे केस मे में एक के बाद एक खुलासे हो रहे है यह देखकर हर्ष सहाई गुर्जर, इसका भाई हरिसिंह गुर्जर सहित के आरोपियों के प्रति समाज में चारों तरफ से आलोचना और खुलेआम इसे फांसी देने की मांग की गई है। आरोपी हर्ष सहाई गुर्जर ने अहमदाबाद क्राइमब्रांच के समक्ष किए गए खुलासे खुद पुलिसअधिकारी भी आश्चर्य में पड़ गये थे। आरोपी हर्ष सहाई गुर्जर ने कबूल किया था कि, वह पिछले डेढ वर्ष से अपनी पत्नी रमादेवी और दो पुत्र दिपान्सु (उम्र.१९) और प्रियान्सु (उम्र.८) के साथ सूरत में रहते है और टाइल्स फीटींग से संबंधित कॉन्ट्राक्टर का काम करते है।

इनके साथ इसका एक परिचित भी सूरत रहता था, जो शादीशुदा नहीं था और जयपुर की किसी महिला के साथ संबंध होने से इसे सूरत बुलाया था, जो इसकी ११ वर्ष की पुत्री को लेकर आयी थी। उसने कामरेजन मानसरोवर फ्लेट नाम की साइट में ई ब्लोक के चौथी मंजिल पर स्थित मकान नंबर -४०२ में ढाई महीने तक रखी गई थी, जहां उसे खानेपीने को दिया जाता था और इसके साथ बारबार रेप किया जाता था। इस दौरान यह महिला उनके साथ रहना चाहती होने की वजह से इसके संबंधित लोगों के साथ मिलकर बच्ची की उपस्थिति में ही उसे मौत के घाट उतारा गया था और इसका शव अज्ञात जगह पर फेंका गया था।

इसके बाद आरोपी इसकी पुत्री को लेकर अपने घर आ गये थे लेकिन बच्ची ने अपनी मां की हत्या की बात आरोपी हर्ष गुर्जर के भाई और अन्य स्थानीय निवासियों में फैलाने पर १ से ५ अप्रैल के दौरान आरोपी हर्ष सहाई गुर्जर और इसके संबंधित आरोपियों ने बच्ची को हाथ और डंडे के द्वारा बहुत पीटाई की गई थी। इतना ही नहीं हर्ष सहाई गुजर और इसके संबंधित लोगों द्वारा बच्ची पर मानवता की सारी हदे पार करके सामूहिक रेप किया गया था।

मायाबहन की पहली प्रतिक्रिया

भाजपा की कार्यकर्ता थी और रहूंगी, निर्दोष बरी होने की खुशी

दुःख के समय में मुझे साथ देनेवाले सभी की आभारी हूं, मेरी निर्दोषता आखिर में साबित हुई : डॉ. कोडनानी

अहमदाबाद। सनसनी मचानेवाले नरोडा पाटिया हत्याकांड केस में निर्दोष बरी होने के बाद डॉ. मायाबहन कोडनानी ने पहलीबार मीडिया के समक्ष अपनी प्रतिक्रिया दी थी कि, वह भाजपा की कार्यकर्ता थी और रहूंगी। भाजपा के कार्यकर्ता होना और भाजपा के साथ जुड़े रहना यह सबसे बड़ी बात है। उन्होंने आगे बताया है कि, नरोडा पाटिया हत्याकांड में उनकी गलत तरीके से शामिल किया गया था और आखिर में हाईकोर्ट ने उनको निर्दोष ठहराते हुए यह केस में उनकी निर्दोषता आखिर में साबित हुई है। डॉ. कोडनानी ने आगे बताया है कि, नरोडा पाटिया केस में निर्दोष बरी और सत्य की जीत हुई इस बात की मुझे बहुत खुशी है। गुजरात हाईकोर्ट के फैसले से मैं संतुष्ट हूं। मुझे आखिर में न्याय मिला है। डॉ. कोडनानी ने अपने दुःख के समय में उनका साथ देनेवाले सभी का आभार व्यक्त करती हूं। उल्लेखनीय है कि, नरोडा पाटिया हत्याकांड केस में सीट की स्पेशियल कोर्ट गत २९.८.२०१२ को दिए गए फैसले में डॉ. मायाबहन कोडनानी को मुख्य अपराधी ठहराया गया था और उनको २८ वर्ष की जेल की सजा सुनायी गई थी। जिसके कारण डॉ. मायाबहन को काफी कठिन दौर से गुजरना पड़ा था। हालांकि सीट स्पेशियल कोर्ट के फैसले से नाराज हुई डॉ. मायाबहन ने न्याय के लिए गुजरात हाईकोर्ट में अपील की थी। जिसमें हाईकोर्ट ने उनकी अपील मंजूर करके उनको इस केस में निर्दोष बरी करने का आदेश दिया गया था।

हाईकोर्ट के इस फैसले की वजह से डॉ. मायाबहन कोडनानी उनके परिवारवालों और समर्थकों में खुशी की लहर फैल गई थी। डॉ. मायाबहन को मिलने के लिए और उनको निर्दोष बरी होने पर बधाई देने के लिए उनके परिचितों की भारी भीड़ लग गई थी। डॉ. कोडनानी ने सभी लोगों का मुंह मीठाकर उनका आभार व्यक्त किया था।

अहमदाबाद वन विभाग द्वारा छापेमारी करके १०० पहाड़ी तोता को पकड़ लिया गया था। जिसमें बीमार तोता को अहमदाबाद पांजरापोर में उपचार के लिए लाया गया था।

टूटी सड़को के कारण शहर में बढ़ रहे है हादसे

सूरत। शहर में सड़को की मरम्मत नहीं होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे है। हादसों के लिए सड़के जिम्मेदार होती है। शहर में ऑवर-ब्रिज को छोड़ कर शहर की अमूमन सड़के टूटी फूटी है। सड़को पर डामर नहीं है। अनेक क्षेत्रों में कई वषी से डामरीकरण भी नहीं हुआ है। खड्डो का शहर बनता जा रहा है।

स्मार्ट सिटी के नाम से जाने जाने वाला सूरत शहर में सड़को की हालत देख कर कोई अंदाजा नहीं लगा सकता है कि करोड़ो का बजट पेश करने वाली पालिका के पास शहर की सड़को के लिए बजट नहीं है। वित्तीय संकट का सामना करने वाली महानगरपालिका के पास सड़को की मरम्मत करने के लिए पुख्ता इंतजाम नहीं है। सड़को पर दुर्घटना होती है। मीडिया में दुर्धटना सुर्खियों में रहती है ,उसके बाद टाय-टाय फीस हो जाती है। कही जगह यह अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता है कि गड्डा है या सड़क ही ऐसी है। शहर में अपवाद को छोड़कर सड़के की हालत बहुत खराब है.टीकमनगर,वराछा ,वेडरोड कतारगाम,उधना आदि ऐसे क्षेत्र है जहां सड़के टूटी होने से हादसे होते है। यह तो पालिका के संज्ञान में है।

भूकंप से कोई नुकसान नहीं

गुजरात में महसूस किए गए भूकंप के हल्के झटके

देदियापाडा, सागबारा, राजपीपला में भी हल्के-हल्के झटके : लोग अपने घरों-दफ्तरों से बाहर निकल आए

अहमदाबाद। गुजरात के विभिन्न जिलों में शनिवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर ३.७ मापी गई। जानकारी के मुताबिक, कही भी किसी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप की तीव्रता कम होने से कहीं पर किसी की जान जाने या फिर कोई अन्य नुकसान होने की भी कोई खबर नहीं है।

नर्मदा जिले में शाम के लगभग पांच बजे भूकंप के मामूली झटके महसूस हुए। इसके अलावा देदियापाडा, सागबारा और राजपीपला में भी हल्के-हल्के झटके महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप के बाद लोग सतर्क हो गए और अपने-अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए।

रिपोर्टस के मुताबिक, काफी देर तक लोग डर के साए में रहे। फिलहाल कहीं से किसी प्रकार के हादसे और नुकसान की खबर नहीं आई है।

केसर आम की आय बहुत कम

अप्रैल पूरा होने को आया फिर भी आम की कीमत में भारी वृद्धि

अहमदाबाद। कोई भी व्यक्ति को प्रिय हो ऐसा मीठी आम की कीमत अप्रैल महीना पूरा होने को आया है फिर भी कडवा बन रही है। आम खाने के शोखिन को आम की खरीदी करते समय विचार करना पड़े ऐसी स्थिति है। हर वर्ष अप्रैल महीने में केसर सहित की अन्य जात की आम से बाजार भरा हुआ है। आम की कीमत योग्य और हरएक वर्ग के लोग खरीद सके ऐसे होते है। लेकिन इस वर्ष बादलछाया हुआ मौसम, बेमौसम बारिश सहित के कारण आम की सिजन अभी सही अर्थ में शुरू नहीं हुई है। यानी कि नहीं लेकिन किलो की कीमत पर बेची जा रही आम अब प्रति नंग पर बेची जा रही है। एक आम की कीमत प्रतिनंग ३० से ४० रुपये की कीमत है।

आम के व्यापारियों के बताये अनुसार आम की कीमत गत वर्ष की तुलना में ५० से ६० प्रतिशत वृद्धि है। केसर आम की हाल की कीमत २०० रुपये के करीब है। कच्चा केसर आम भी ११०० रुपये की दस किलो पर बेची जा रही है। आफूस की कीमत २०० से २५० रुपये प्रति किलो की कीमत है। सबसे ज्यादा खरीदी बाजार में केसर आम की रहती है। पिछले दस दिन के दौरान आम की कीमत में कुछ कमी होने के बाद भी हाल में केसर आम की प्रति किलो कीमत २०० रुपये है। मई महीने में आम की कीमत में कुछ कमी होगी ऐसा व्यापारियों का मानना है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com